भूमि संघर्ष पर वन अधिकार अधिनियिम का प्रभाव

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत में भूमि संबंधी संघर्षों को ट्रैक करने वाली डेटा अनुसंधान एजेंसी **लैंड कॉन्फ्लिक्ट वॉच** ने भूमि संघर्ष और वन अधिकार अधिनियिम (FRA), 2006 के प्रवरतन के बीच एक महत्त्वपूर्ण संबंध दर्ज किया गया है।

मुख्य बिंदु:

- **वर्ष 2006 में अधिनियमित FRA** वन में रहने वाले **जनजातीय समुदायों और अन्य पारंपरिक वन निवासियों के** वन संसाधनों के **अधिकारों को मान्यता** देता है, जिन पर ये समुदाय **आजीविका, निवास व अन्य सामाजिक-सांस्कृतिक आवश्यकताओं** सहित विभिन्न आवश्यकताओं **के लिये निर्भर** थे।
- **लैंड कॉन्फ्लिक्ट वॉच (LCW)** डेटाबेस में दर्ज 781 संघर्षों में से, 264 संघर्षों का एक उपसमूह **संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों** से निकटता से संबद्ध है जहाँ वन अधिकार अधिनियम (FRA) एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा है।
- **पीपुल्स फॉरेस्ट रिपोर्ट (विज्ञान और पर्यावरण केंद्र द्वारा)** के आधार पर इन निर्वाचन क्षेत्रों को आमतौर पर **'FRA निर्वाचन क्षेत्रों'** के रूप में जाना जाता है।
- महाराष्ट्र, ओडिशा और **मध्य प्रदेश** में **कोर FRA निर्वाचन क्षेत्रों** की **संख्या सबसे अधिक** है।
- **महत्त्वपूर्ण FRA निर्वाचन क्षेत्रों** में सबसे अधिक वन अधिकार मुद्दों वाले राज्य ओडिशा, छत्तीसगढ़ तथा केंद्रशासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर हैं।

FRA के कार्यान्वयन की स्थिति

- **प्रदान की गई उपाधियाँ:** फरवरी 2024 तक, **जनजातियों और वनवासियों को लगभग 2.45 मिलियन उपाधियाँ** प्रदान की गई हैं।
  - हालाँकि, प्राप्त **पाँच मिलियन दावों में से लगभग 34% खारिज़** कर दिये गए हैं।
- **मान्यता दर:** विशाल संभावनाओं के बावजूद, वन अधिकारों की वास्तविक मान्यता सीमित रही है। 31 अगस्त 2021 तक, FRA लागू होने के बाद से **वन अधिकारों के लिये पात्र न्यूनतम संभावित वन क्षेत्रों में से केवल 14.75% को ही मान्यता** दी गई है।
- **राज्य भिन्नताएँ:**
  - **आंध्र प्रदेश:** अपने न्यूनतम संभावित वन दावे का 23% मान्यता प्राप्त है।
  - **झारखंड:** अपने न्यूनतम संभावित वन क्षेत्र का केवल 5% ही मान्यता प्राप्त है
  - **अंतर-राज्य भिन्नताएँ:** राज्यों के भीतर भी मान्यता दरें भिन्न-भिन्न होती हैं। उदाहरण के लिये, ओडिशा में, जबकि नबरंगपुर ज़िले ने 100% IFR मान्यता दर हासिल की, संबलपुर की दर 41.34% है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/impact-of-the-forest-rights-act-on-land-conflicts-1